



प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने 7 फरवरी 2023 को सेफगार्ड अगेंस्ट साइबर क्राइम एंड डिजाइन, ट्रेड्स एंड फोरकास्ट विषय पर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया

नई दिल्ली - 07 फरवरी, 2023 - हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) ने मंगलवार, 7 फरवरी, 2023 को नई दिल्ली में सेफगार्ड अगेंस्ट साइबर क्राइम एंड डिजाइन, ट्रेड्स एंड फोरकास्ट विषय पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया।

ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने जानकारी दी कि इस अवसर पर श्री राज कुमार मल्होत्रा, अध्यक्ष ईपीसीएच और अध्यक्ष, उत्तरी क्षेत्र - एफआईईओ; श्री रवि पासी, पूर्व अध्यक्ष, ईपीसीएच और संयोजक (उत्तरी क्षेत्र); श्री एच. एस. रंधावा, एसीपी, साइबर सेल, दिल्ली पुलिस; श्री संबित सिन्हा, पार्टनर, साइबर सिक््योरिटी (अनर्स्ट एंड यंग); डॉ. कर्णिका सेठ, साइबर लॉ और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ; श्री राजेश रावत, अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच; सुश्री अमला श्रीवास्तव, हेड डिजाइनर, ईपीसीएच और नई दिल्ली के प्रमुख निर्यातक उपस्थित थे।

ईपीसीएच के चेयरमैन और उत्तरी क्षेत्र - एफआईईओ के अध्यक्ष श्री राज कुमार मल्होत्रा ने दिल्ली पुलिस के अधिकारी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और दिल्ली के प्रमुख निर्यातकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज का सेमिनार ईपीसीएच और एफआईईओ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है ताकि निर्यातकों को साइबर अपराध से व्यापार को सुरक्षित रखने के उपायों को समझने और हस्तशिल्प में नवीनतम डिजाइन, ट्रेड्स और फोरकास्ट की गहन जानकारी हासिल करने में मदद मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि अखिल भारतीय स्तर पर सदस्य निर्यातकों के लिए ईपीसीएच विशेषज्ञ संकायों के माध्यम से जागरूकता सेमिनारों की श्रृंखला आयोजित करने में हमेशा सबसे आगे रहा है।

ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्ष और संयोजक (उत्तरी क्षेत्र) श्री रवि पासी ने कहा कि आज के कारोबारी माहौल में, यह महत्वपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अत्याधुनिक डिजाइन वाले नए उत्पादों को रुझानों और पूर्वानुमानों के अनुसार विकसित किया जाए।

श्री संबित सिन्हा, पार्टनर, (अनर्स्ट एंड यंग) ने कहा कि व्यावसायिक जानकारी एक मूल्यवान संपत्ति है जिसे अनधिकृत संशोधन और प्रकटीकरण के खिलाफ सुरक्षित किया जाना चाहिए। साइबर अपराधियों के खिलाफ हमारी सबसे अच्छी रक्षा हमेशा रोकथाम होगी। उन्होंने कहा कि तकनीक एक हथियार है और इसका उपयोग करते समय बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने वर्चुअल कीबोर्ड, मास्कड आधार कार्ड, पासवर्ड को नियमित रूप से बदलने, भेजे गए क्यूआर कोड को कभी स्कैन न करने, जैसे कई अन्य तकनीकों को साइबर अपराध के खिलाफ सुरक्षा के रूप में बताया।

साइबर कानून और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ.कर्णिका सेठ ने साइबर अपराध की उत्पत्ति और इस तरह के अपराधों में हाल में हुई वृद्धि पर एक सूचनात्मक प्रस्तुति दी। उन्होंने भारतीय अधिकार क्षेत्र में साइबर कानून में महत्वपूर्ण विकास पर चर्चा की। उन्होंने आगे संशोधनों के माध्यम से सूचना टेक्नोलॉजी के संबंध में भारतीय कानून की व्याख्या की। उन्होंने आगे इलेक्ट्रॉनिक फुटप्रिंट्स के बारे में बताया जो ट्रेस करने योग्य है। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी के शिकार लोगों के लिए विभिन्न विकल्पों और उपायों के बारे में भी बताया।

श्री एच. एस. रंधावा, एसीपी, साइबर सेल, दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ नई दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के कई निर्यातकों की मदद की है। पुलिस साइबर अपराध के पीड़ितों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहती है और उनसे सतर्क, जागरूक रहने और ऐसे किसी भी मामले की रिपोर्ट करने में संकोच न करने का आग्रह करती है। उन्होंने साइबर अपराध की स्थिति प्रस्तुत की और साइबर अपराध कि शिकायत दर्ज करने के लिए तंत्र साझा किया। उन्होंने तत्काल कार्रवाई के लिए www.cybercrime.gov.in और हेल्पलाइन नंबर 1930 भी साझा किया।

ईपीसीएच की हेड डिजाइनर सुश्री अमला श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को 2024 के लिए उन उभरते ट्रेड्स और डिजाइन के बारे में बताया जिन्हें वैश्विक बाजार देख रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को नवीनतम ट्रेड्स को ध्यान में रखते हुए उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए जिसके माध्यम से ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके।

प्रतिभागियों द्वारा डिजाइन, रुझान और पूर्वानुमान और साइबर सुरक्षा तरीकों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। इसका जवाब विशेषज्ञों द्वारा सुरक्षा उपायों के साथ दिया गया।

इस अवसर पर ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने सूचित किया कि ईपीसीएच दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 33253.00 करोड़ (4459.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, जिसमें बीते वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 29.49% और डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज हुई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक – ईपीसीएच

+91- 9810697868



"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070

Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19

E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

PRESS RELEASE

EPCH Organised Awareness Seminar on Safeguards against Cyber Crime and Design, Trends & Forecast at New Delhi on 7th February, 2023 (Tuesday)

NEW DELHI – 07th FEBRUARY, 2023 – The Export Promotion Council for Handicrafts organised Awareness Seminar on Safeguards against Cyber Crime and Design, Trends & Forecast at New Delhi on 7th February, 2023 (Tuesday).

Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman EPCH and Chairman, Northern Region – FIEO; Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region); Shri Sambit Sinha, Partner, Cyber Security, EY; Dr. Karnika Seth, Cyberlaw & Cyber Security Expert; Shri H. S. Randhawa, ACP, Cyber Cell, Delhi Police; Shri Rajesh Rawat – Addl. Executive Director EPCH; Ms. Amla Srivastava, Head Designer – EPCH and leading exporters from New Delhi were present – informed Shri Rakesh Kumar, Director General EPCH.

Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman EPCH and Chairman, Northern Region – FIEO welcomed the official from Delhi Police Cyber Cell, Cyber Security Experts and the leading exporters from Delhi. He informed that today's seminar organized jointly by EPCH and FIEO to facilitate the exporters to understand measures to safeguard business from Cyber Crime and get indepth knowledge of latest Design, Trends & Forecast in Handicrafts. He further said that EPCH has always been at the forefront of organizing series of awareness seminars through expert faculties on a pan-India basis for member exporters.

Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region), said that in today's business environment, it is critical that new products with cutting-edge designs are developed in accordance with trends and forecasts in order to remain competitive in the international market.

While speaking on the occasion Shri Sambit Sinha, Partner, Cyber Security, EY said that business information is a valuable asset that must be safeguarded against unauthorised modification, and disclosure. Our best line of defence against cybercriminals will always be prevention. He added that technology is a double edged weapon and one needs to be very careful while using it. He also informed about various techniques of using virtual keyboard, regular changing of passwords, masked-aadhaar card, never scan QR code sent & many other practices as safeguard against cyber crime.

Dr. Karnika Seth, expert on Cyber law & Cyber Security presented an informative presentation on the origins of cybercrime and the recent increase in cases. She discussed key developments in the field of cyberlaw in Indian jurisdictions. She further explained Indian law regarding information technology through amendments. She further spoke about electronic footprints which is traceable. She also explained various options & remedies for victims of cyber fraud.

Shri H. S. Randhawa, ACP, Cyber Cell, Delhi Police informed that Delhi Police has helped many exporters from New Delhi and adjoining areas against cyber crime. Police are always ready to assist victims of cybercrime and urged them to remain vigilant, aware, and not hesitate to report any such cases. He presented cyber crime status and shared the mechanism to file a complaint to the cyber crime cell. He also shared www.cybercrime.gov.in and helpline number 1930 for immediate action.

Ms. Amla Srivastava, Head Designer – EPCH informed the participants about the emerging trend and designs for 2024 that the global market is looking and manufacturers should prioritise taking into account the most recent trends through which customers are attracted.

Questions pertaining to Design, Trend & Forecast and Cyber Security Ways were asked by the participants. The same were answered by the experts along with inputs on safeguards. Over 60 members attended this seminar and concluded with positive interaction with members exporters

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores (US \$ 4459.76 Million) registering a growth of 29.49% in rupee term & 28.90% in dollar terms over the previous year, informed by Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH.

For more information please contact:

Shri Rakesh Kumar, Director General– EPCH
+91- 9818272171

Hindi & English with Photos Enclosed:



PHOTO 1 – Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman – EPCH addressing the august gathering of member exporters along with Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region); Shri Sambit Sinha, Partner, Cyber Security, EY; Shri Rajesh Rawat – Addl. Executive Director EPCH during an Awareness Seminar on Safeguards against Cyber Crime and Design, Trends & Forecast at New Delhi.



PHOTO 2 – Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region) addressing the august gathering of member exporters along with Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman – EPCH; Shri Sambit Sinha, Partner, Cyber Security, EY; Dr. Karnika Seth, Cyberlaw & Cyber Security Expert; Shri Rajesh Rawat – Addl. Executive Director EPCH during an Awareness Seminar on Safeguards against Cyber Crime and Design, Trends & Forecast at New Delhi.



Photo 3 (LtoR) – Seen on Dias Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director, EPCH; Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region); Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman – EPCH; Shri Sambit Sinha, Partner, Cyber Security, EY; Dr. Karnika Seth, Cyberlaw & Cyber Security Expert; Shri H. S. Randhawa, ACP, Cyber Cell, Delhi Police during an Awareness Seminar on Safeguards against Cyber Crime and Design, Trends & Forecast at New Delhi.



Photo 4 – A view of participants of seminar